

प्रेषक:-

विश्वेन्द्र फल,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में:-

विश्व निबंधन,
साच एवं नागरिक आपूर्ति,
उत्तरांचल, देहरादून।

साच एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग

देहरादून : दिनांक: मार्च 25, 2003

विषय: लेखाशीर्षक 4403 के अन्तर्गत वित्तीय स्वीकृति (वित्तीय वर्ष 2002-2003)

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 358/साच/वजड/-4403/2002-2003 तथा शासनादेश संख्या 02/साच/वजड/2003 दिनांक 01 जनवरी, 2003 के क्रम में मुझे यह कहने का मिश्रण हुआ है कि श्री सत्यपाल महोदय सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु खाद्यान्न क्रय, हैण्डलिंग/परिवहन/गोदाम किराया/विद्युत दायरा आदि (निर्दिष्ट व्यय) तथा भण्डारण शुल्क के भुगतान हेतु निम्न विवरणानुसार कुल रु० 4,82,00,000/- (रुपये चार करोड़ स्यासी लाख मात्र) की धनराशि को उपरि उक्त व्यय के हेतु की वार्षिक स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्रमांक	भेद या भुम	गद्यगत संभाव हेतु स्वीकृत धनराशि (रुपये में)	मुकुटभू संभाव हेतु स्वीकृत धनराशि (रुपये में)	कुल स्वीकृत धनराशि (रुपये में)
1	सार्वजनिक वितरण प्रणाली हेतु खाद्यान्न क्रय	-	2,00,00,000	2,00,00,000
2	हैण्डलिंग/परिवहन/गोदाम किराया /विद्युत दायरा/साच/वाट /साच /अवधार प्रणाली/रिजर्विंग आदि	32,00,000	2,50,00,000	2,82,00,000
	योग	32,00,000	4,50,00,000	4,82,00,000

(रुपये चार करोड़ स्यासी लाख मात्र)

1. धनराशि का आहरण तात्कालिक वार्षिक आवश्यकता को आधार पर किया जाये और शेष धनराशि इसकी विपरीत प्रतिपूर्ति को उपरान्त ही अग्रमुद्रा की जायेगी।

2. इस धनराशि से सम्बन्धित लेखे व्यापार लेखा (टैं- 'टिंग एकाउन्ट') को रूप में रखा जायेगा तथा प्रतिकूल वृ- कुपड कीलगा तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति को उपरान्त 'हानि-लाभ लेखा' बनाया जायेगा।

